UNIVERSITY OF CALCUTTA

GURUPADA SAREN
SECRETARY
COUNCILS FOR UNDERGRADUATE STUDIES,
UNIVERSITY OF CALCUTTA.

SENATE HOUSE
Kolkata – 700 073.
Phone : 2241-0071-74,
2241-0077-78,2241-4989-90,
2241-2850-51,2241-2859
Fax : 91-033-2241-3222
E-mail : u.g.councilsc.u@gmail.com
Website : www.caluniv.ac.in

Ref.No : CUS/235(cir.)/18
Dated the 25th April, 2018

To
The Principals/T.I.C.
of all the Undergraduate Colleges
offering B.A. in Hindi (Honours & General)
affiliated to the University of Calcutta.

Sir/Madam,

The undersigned is to inform you that the proposed **revised semesterised draft Syllabus for Hindi (Honours & General)** Courses of Studies under **CBCS has been uploaded in the Calcutta University website (www.caluniv.ac.in).**

The said syllabus has been prepared by the **U.G. Board of Studies in Hindi, C.U.**, suppose to be implemented from the academic session 2018-2019.

You are requested kindly to go through it and send your feedback within 5th May, 2018.

In this regard you may send your observation/ suggestion to the **Department of U.G. Councils, C.U**. or through email (u.g.councilsc.u@gmail.com), and you also may contact **Prof. Rajashree Shukla, Department of Hindi, C.U.** through e-mail **(rajashree.cu@gmail.com).**

Your cooperation in this regard will be highly appreciated. Kindly treat the matter as urgent.

Thanking you,

Yours faithfully,

25/04/18

Secretary

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA

B.A. (HONOURS) HINDI

ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)

अंक विभाजन (सभी प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar / Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

कुल योग- 100 अंक

---

1. हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण

- हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं
- अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द,
- विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य
- शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण के प्रकार
- संप्रेषण के माध्यम
- संप्रेषण की तकनीक
- अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध
- साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

व्याकरण = 30 अंक

भाव पल्लवन / संक्षेपण = 10 अंक

रचनात्मक लेखन = 10 अंक

टिप्पणी / परिभाषा 3 x 5 =15 अंक

कुल योग = 65 अंक

2. हिंदी भाषा और सम्प्रेषण

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण एवं अव्यय संबंधी।
- हिंदी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एंव व्यंजन।
- स्वर के प्रकार – ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
- व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्प्रप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।
- वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य।
- बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि।
- भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
- हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर।
- भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहतउत्तरीय 2 x 10 = 20 अंक
पत्र लेखन = 10 अंक
भावार्थ = 10 अंक
टिप्पणी 5 x 5 = 15 अंक

कुल योग = 65 अंक

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA
B.A. (HONOURS) HINDI
DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

अंक विभाजन (सभी प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar / Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक
		कुल योग- 100 अंक

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहतउत्तरीय प्रश्न	2 x 15 अंक = 30
	1 x 10 अंक = 10
टिप्पणी	5 x 5 अंक = 25
	कुल योग =65

(निम्नलिखित में से कोई चार पाठ्यक्रम)

1. लोक साहित्य
2. अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य
3. राष्ट्रीय काव्यधारा
4. छायावाद
5. प्रेमचंद

1. लोक साहित्य

- लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति,
- लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का
- अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का
- वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।
- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड,
- तमाशा, नौटंकी। हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक एवं रंगमंच
- पर लोकनाट्यों का प्रभाव।
- लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग–कथा, कथारूढ़ियाँ और अंधविश्वास।
- लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- लोकनृत्य एवं लोकसंगीत।

2. अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

- विमर्शों की सैद्धांतिकी :

(क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर
(ख) स्त्री विमर्श : अवधारणा और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)
(ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन

- विमर्शमूलक कथा साहित्य :

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि – सलाम
2. जयप्रकाश कर्दम – नौ बार,
3. हरिराम मीणा – धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या : 158–167
4. मोहनदास नैमिशराय : मुक्तिपर्व (उपन्यास) का अंश (पृष्ठ 24 से 33)
5. सुमित्रा कुमारी सिन्हा – व्यक्तित्व की भूख
6. नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी

- विमर्शमूलक कविता :

(क) दलित कविता : अछूतानंद (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे), नगीना सिंह (कितनी व्यथा), कालीचरण सनेही (दलित विमर्श), माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)
(ख) स्त्री कविता : 1. कीर्ति चौधरी : सीमा रेखा, 2. कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चम्पा, 3. सविता सिंह : मैं किसकी औरत हूँ

- विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

1. प्रभा खेतान : अन्या से अनन्या, पृष्ठ 28–42 तक
2. तुलसीराम : मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ, पृष्ठ संख्या 125 से 135)
3. महादेवी वर्मा : स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न
4. डॉ. धर्मवीर : अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर

3. राष्ट्रीय काव्यधारा

- मैथिलीशरण गुप्त
- माखनलाल चतुर्वेदी
- सोहनलाल द्विवेदी
- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- रामधारी सिंह 'दिनकर'
  (उपर्युक्त कवियों की चयनित रचनाएँ विश्वविद्यालय अपनी अपेक्षा के अनुरूप पाठ्यक्रम में रख सकते हैं।)

4. छायावाद

- जयशंकर प्रसाद
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- सुमित्रानंदन पंत
- महादेवी वर्मा
  (उपर्युक्त कवियों की चयनित रचनाएँ विश्वविद्यालय अपनी अपेक्षा के अनुरूपपाठ्यक्रम में रख सकते हैं।)

5. प्रेमचंद

- उपन्यास – सेवासदन
- नाटक – कर्बला
- निबंध – साहित्य का उद्देश्य
- कहानियाँ – पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा।

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA

B.A. (HONOURS) HINDI

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

अंक विभाजन (सभी प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar / Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

कुल योग- 100 अंक

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहत प्रश्न	2 x 15 अंक = 30
व्यवहारिक / व्याख्या	2 x 10 अंक = 20
टिप्पणी	3 x 5 अंक = 15

कुल योग =65

(निम्नलिखित में से कोई चार पाठ्यक्रम) :-

1. आधुनिक भारतीय कविता

असमिया

- **नवकान्त बरुआ**

- **नीलमणि फुकन**
  सिंदूरी रिमझिम के बीच; उस दिन रविवार था;

उर्दू

- **गालिब**

हुस्न-ए-मह गरचे ब-हंगाम-ए-कमाल अच्छा है ; बस-कि दुश्वार है हर काम का आसाँ होना

- **फिराक गोरखपुरी**

कोई नई जमीं हो नया आसमां भी हो ;ये मौत-ओ-अदम-कौन-ओ-मकां और ही कुछ है; मुकरियाँ (खोटे हैं अगर जान तो खो लेने दो;तू सूरज की वो कति पसली;लहरों में खिला कंवल नहाये जैसे;तहजीब की पहली सुबह की पाक दुआएं)

तमिल

- **सुब्रमण्यम भारती**

निर्भय ; आओ नाचें और पल्लू गाएँ ; स्वतंत्रता, नाचेंगे हम;

- **वैरमुतु**

बांग्ला

- **रवीन्द्रनाथ ठाकुर**

मेरे मन हे; पुण्य तीर्थ में जगो; दो पंक्षी; ब्राहमण; प्रश्न

- **काजी नज़रुल इस्लाम**

हम; चोर डकैत ; नाविक सावधान;

संस्कृत

- **श्रीधर भास्कर वर्णेकर**

- **राधावल्लभ त्रिपाठी**
  चूल्हा ; कुत्ते की दुम

गुजराती

- **उमाशंकर जोशी**
  आत्मसंतोष; पिता के फूल; विश्वशान्ति
- **संस्कृति रानी देसाई**

कश्मीरी

- **रहमान राही**
  अंधकार में ही खुलता है रहस्य ;
- **चंद्रकांता**

2. आधुनिक भारतीय साहित्य

- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता
- महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

पाठ्यपुस्तकें (उपन्यास) –

- आनंद मठ – बंकिम चंद्र
- मृत्युंजय – शिवाजी सावंत
- आवरण – भैरप्पा
- सुब्रमण्यम भारती की कविताएँ

3. सम्पादन प्रक्रिया और साज सज्जा

- सम्पादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, सम्पादन–कला के सामान्य सिद्धान्त।
- सम्पादक और उपसम्पादक : योग्यता, दायित्व और महत्त्व।
- समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक–लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और सम्पादन। सम्पादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।
- सम्पादकीय लेखन : प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि। सम्पादकीय का समााजिक प्रभाव।
- समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका
- सम्पादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के सम्पादन की विशेषताएँ।
- छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का सम्पादन।
- हिन्दी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा, आंचलिक प्रभाव और वर्तनी की समस्याएँ।
- साज–सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धान्त।
- मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ–निर्माण (डमी), पत्रिका की साजसज्जा, रंग–संयोजन।

4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

- रिपोर्ताज़ : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन–प्रविधि।

- फीचर लेखन : विषय–चयन, सामग्री–निर्धारण, लेखन–प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।
- साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार–प्रविधि, महत्त्व।
- स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार
- पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।
- दृश्य–सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से सम्बन्धित लेखन।
- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।
- आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।

5. हिन्दी की सांस्कृतिक पत्रकारिता

- सांस्कृतिक पत्रकारिता : अवधारणा, अर्थ और महत्व। परम्परागत, आधुनिक और उत्तर आधुनिक समाज। संस्कृति, लोकसंस्कृति, लोकप्रिय संस्कृति, अपसंस्कृति। बाजार, संस्कृति और संचार माध्यम।

- सांस्कृतिक संवाद : अर्थ, भेद और विशेषताएँ। सांस्कृतिक संवाददाता की योग्यताएँ : आस्वादन, अन्वीक्षण, कल्पनाशीलता आदि। सांस्कृतिक संवाद के क्षेत्रों का परिचय – मंचकला, पर्यटन, पुरातत्व संग्रहालय आदि।

- मंचकला और पत्रकारिता : रंगमंच; संगीत–गायन, वादन (ताल वाद्य, तंत्र वाद्य) और नृत्य के कार्यक्रम संवाद लेखन और समीक्षा। चित्रकला (पेंटिंग, ग्राफिक, टेक्सटाल डिजाइन), शिल्पकला, स्थापत्य कला के कार्यक्रम : संवाद लेखन और समीक्षा।

- पर्यटन पत्रकारिता – प्रमुख धर्मिक स्थलों, स्मारकीय और प्राकृतिक सम्पदाओं का परिचय : संवाद लेखन और समीक्षा। छायाचित्र (फोटाग्राफी) और चित्र पत्रकारिताः जनसंचार माध्यम के रूप में छायाचित्र, छायाचित्र लेने की तरीके, उपकरण और प्रयोग की विधि।

- चित्र पत्रकारिता : सिद्धान्त और व्यवहार, चित्र सम्पादन, सचित्र रूपक (फीचर), प्रदर्शनी।

- चलचित्र (छायाछवि/फिल्म) पत्रकारिताः संचार माध्यम के रूप में फिल्म और विडियो, लघुफिल्म, वृत्तचित्र, धारावाहिक : परिचय और विकास; फिल्म पृष्ठ का आकल्पन और अभिविन्यास।

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA

REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)

B.A. (HONOURS) HINDI

CORE COURSE (CC)

अंक विभाजन (सभी 14 प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar / Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

कुल योग- 100 अंक

पत्र विभाजन :-

प्रथम सेमेस्टर : पत्र 1 एवं 2
द्वितीय सेमेस्टर : पत्र 3 एवं 4
तृतीय सेमेस्टर : पत्र 5, 6 एवं 7
चतुर्थ सेमेस्टर : पत्र 8, 9 एवं 10
पंचम सेमेस्टर : पत्र 11, 12
छठा सेमेस्टर : पत्र 13, 14

*(प्रति सेमेस्टर अवधि : 06 महीने)

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहत प्रश्न 2 x 15 अंक = 30
***** 2 x 10 अंक = 20
टिप्पणी 3 x 5 अंक = 15

कुल योग =65

पाठ्यक्रम

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

- आदिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
रासो काव्य, लौकिक साहित्य

- भक्तिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य

- रीतिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
  हिंदी नवजागरण
  भारतेन्दु युग
  द्विवेदी युग
  छायावाद
  प्रयोगवाद
  प्रगतिवाद
  नई कविता
  समकालीन कविता
- हिंदी गद्य का विकास :
  स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य
  स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

अनुमोदित ग्रंथ –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास रामचंद्र शुक्ल -
2. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी -
3. हिंदी साहित्य की भूमिका आचार्य हजारी -प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का आलोचनातमक इतिहास रामकुमार वर्मा .डॉ -
5. हिंदी साहित्य का इतिहास नगेन्द्र .डॉ .सं -
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास रामस्वरूप चतुर्वेदी -
7. हिंदी साहित्य का अतीत भाग आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - 2-
8. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय .डॉ -
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास बच्चन सिंह .डॉ -
10. हिंदी का गद्य साहित्य रामचन्द्र तिवारी .डॉ -
11. हिंदी साहित्य का इतिहास राम सजन पाण्डेय .डॉ -
12. साहित्य और इतिहास दृष्टि मैनेजर पाण्डेय -

13. लोक साहित्य की भूमिका कृ .डॉ -ष्णदेव उपाध्याय
14. लोक साहित्य विमर्श श्याम परमार .डॉ -

3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

- **विद्यापति**

  निम्नलिखित 06 पद:

  सखि हे हमर दुखक नहिं ओर, मधुपुर मोहन गेल रे,मोर बिहरत छाती , चानन भेल विषम सर रेभूषन भेल भारी ,; अनुखन माधव माधव सुमरइतेसुंदरि भेलि मधाई ,; सरस बसंत समय भल पाओलदछिन पबन बहु , धीरे; मोरा रे आँगना चानन केरि गछिआताहि चढि कुररए काग रे ,;

- **कबीर**

  निम्नलिखित 06 पद और 10 साखी

  पद - संतौं भाई आई ग्यान की आँधी रे; पानी बिच मेन पियासी, मन न रंगाए रंगाए जोगी कापरा, अरे इन दोहुन राह न पाई; एक अचंभा देखा रे भाईठाढ़ा सिंह चरावे गाई , गगन घाटा घहरानी स्सधौं गगन घटा घहरानी ।

  साखी - सतगुरु की महिमा अनंत; बिरहा मति कहौ, आंखड़ियाँ झाई परी; माला तो कर में फिरै; जाप मरै अजपा मरै; तूँतूँ करता तू भया-; हम घर जाला आपना; कस्तुरी कुंडलि बसै; सुखिया सब संसार है; कबीर यहु घर प्रेम का;

- **जायसी –** पद्मावत (मानसरोदक खंड)
- **सूरदास**

  निम्नलिखित 07 पद

  अबिगत गति कछु कहत न आवै; जौं लौं मन कामना न छूटै; किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत; खेलत मैं काकौ गुसैंयाँ; बूझत स्याम कौन तू गोरी; बिनु गुपाल बैरनि भइ कुंजैं; ऊधौ धनि तुम्हारौ व्यवहार;

- **तुलसीदास**

  निम्नलिखित 06 पद

  ऐसी मूढ़ता या मन की; जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे; अबलौं नसानीअब न नसैहों , ऐसो को उदार जग माहीं; रघुपतिभगति करत कठिनाई-; जाके प्रिय न राम बैदेही।

- **रहीम**

  अंजन दियो तो किरकिरी; कहा करौं बैकुंठ लै; खरच बद्यो उद्यम घट्यो; छिमा बडन को चाहिए ; तरूवर फल नहिं खात हैं ; दादर, मोर, किसान मन; दीन सबने को लखत है; दीरघ दोहा अरथ के ; धरती की सी रीत है ; पावस देखि रहीम मन ; प्रेम पथ ऐसो कठिन ; बड़े बडाई ना करैं; यो रहिम तन हाट में ; रहिमन देखि बडेन को; रहिमन धागा प्रेम का; रहिमन निज मन की बिथा; रहिमन पर उपकार के; रहिमन पानी राखिये ; रहिमन पैडा प्रेम को;

रहिमन यह संसार में ; रहिमन यों सुख होता है ; रहिमन बिद्या बुद्धि नहिं; कदली, सीप, भुजंगमुक-; रहिमन विपदा हूँ भली।

- **मीराबाई**

  निम्नलिखित पद 8

  यहि विधि भगति कैसे होय; मैं तो साँवरे के रंग राँची; मैं तो गिरघर के घर जाऊँ; हेरी मैं तो दरद दिवाणीमेरो दरद न जाने कोय-; कोई कहियो रे प्रभु आवन की; किण संग खेलूँ होली; म्हारो जणमरानी-जणम को साथी थाने दिन बिसरूँ दिन-; पग घुँघरु बाँधी मीरा नाची रे।

- **बिहारी**

  निम्नलिखित - दोहे 20

  अजौं तरौना ही रह्यौ; अरुनचरन-कर-सरोरुह-; इन दुखिया अँखियान कौ; कर समेटिकच भुज - उलटि; करौ कुबत जगकुटिलता-; या अनुरागी चित्त की; जप मालाछापा तिलक ,नहिं पराग नहिं मधुर मधु; कहत नटत रीझतखिझत-;बतरस लालच लाल की; अनियारे दीरघ दृगनि; तो पर वारौं उरवसी; जबसुधि कीजियै जब वै-; को छूट्यौ इहि जाल; चटक न छाड़त घटत हूँ; जो चाहै चटक न छटै; औंधाई सीसी सुलखि; दृग उरझत टूटत कुटुम; लिखन बैठि जाकी सबी; जिन दिन देखे वे कुसुम।

- **घनानन्द**

  निम्नलिखित 07 पद -

  झलकै अति सुन्दर आनन गौर; भए अति निठुरमिटाय पहचानि डारी ,; हीन भएँ जल मीन अधीन; मीत सुजान अनीत करौ जिन; प्रीतम सुजान मेरे हित के निधान कहौ; रावरे रूप की रीति अनूप; अति सूधो सनेह को मारग है।

- **रसखान**

  मानुस हौं तो वही रसखान,मोरपखा मुरली संभाल,फागुन लाग्यो सखि जब तें,कंचन मदिर ऊंचे बनाई के,सोहट है चंदवा सिर मोर को ,कान्ह भए बस बांसुरी के,

प्रस्तावित पाठ्य– ग्रंथ-

- विद्यापति पदावली - रामवृक्ष बेनीपुरी
- कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुंदर दस
- सूर संचयिता - सं. मैनेजर पाण्डेय
- विनय पत्रिका - गोरखपुर ,गीताप्रेस
- पद्मावत - सं. रामचन्द्र शुक्ल
- मीराबाई की सम्पूर्ण पदावली रामकिशोर शर्मा .डॉ (.-
- बिहारी प्रकाश - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र .सं
- घनानंद कवित्त -)संआचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (.
- रहीम - सं . विद्यानिवास मिश्र

अनुमोदित ग्रंथ –

विद्यापति - डॉसिंह शिवप्रसाद .

विद्यापति - डॉ आनंद प्रसाद .दीक्षित

मैथिल कोकिल विद्यापति - डॉकृष्णदेव झारी .

हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय - पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल

भक्ति चिंतन की भूमिका - प्रेमशंकर

हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि गोविन्द त्रिगुणा .डॉ -यत

कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

कबीर की विचारधारा - गोविन्द त्रिगुणायत

कबीर एक अध्ययन - रामरतन भटनागर

कबीर साहित्य का अध्ययन - परशुराम चतुर्वेदी

कबीर - संबासुदेव सिंह .

भक्ति आंदोलन का अध्ययन - रतिभानु सिंह नाहर

तुलसी की साहित्य साधना - डॉलल्लन राय .

तुलसी - डॉउदय भानु सिंह .

तुलसीदास और उनके ग्रंथ - भगीरथ प्रसाद दीक्षित

गोस्वामी तुलसीदास - रामजी तिवारी

भक्ति आंदोलन और सूदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय

महाकवि सूरदास - नंद दुलारे वाजपेयी

सूरदास - संहर .वंश लाल शर्मा

सूरदास - ब्रजेश्वर वर्मा

मीरा का काव्य - डॉविश्वनाथ त्रिपाठी .

मीरा की काव्य कला - देशराज सिंह भाटी

मीराबाई भक्ति और उनकी काव्य साधना का अनुशीलन भगवानदास -तिवारी

बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह

बिहारी सतसई का पुनर्पाठ - रामदेव शुक्ल

हिंदी काव्य में शृंगार परंपरा और महाकवि बिहारी - इन्द्रनाथ मदान

मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी - डॉरामसागर त्रिपाठी .

घनानंद और स्वच्छन्द काव्य धारा - डॉमनोहरलाल गौड़ .

घनानंद का काव्य - रामदेव शुक्ल

भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

- **भारतेन्दु**
  नए जमाने की मुकरियाँ (1 से 14 तक)
- **अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध**
  एक तिनका,कर्मवीर,सरिता,खद्योत,फूल और कांटा
- **मैथिलीशरण गुप्त**
  यशोधरा (महाभिनिष्क्रमण)
- **रामनरेश त्रिपाठी**
  अन्वेषण
- **जयशंकर प्रसाद**
  हिमाद्रि तुंग शृंग से; अरुण यह मधुमय देश हमारा; तुम कनक किरण के अन्तराल में; उठ-उठ री लघु-लघु लोल लहर; मधुप गुनगुनाकर कह जाता; ले चल वहाँ भुलावा देकर; पेशोला की प्रतिध्वनि।
- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'**
  संध्यासुंदरी-; तुम और मैं; अधिवास; जागो फिर एक बार2-; गहन है यह अंधकारा; स्नेह निर्झर बह गया है; अभी न होगा मेरा अंत; दगा की; चर्खा चला; मास्को डायलाग्स।
- **सुमित्रानंदन पंत**
  प्रथम रश्मि; बादल; मौननिमंत्रण-; ताज; भारतमाता-; गा कोकिल बरसा पावक कण; मैं नहीं चाहता चिर सुख; धूप का टुकड़ा; संध्या।
- **महादेवी वर्मा**
  धीरेधीरे उतर क्षितिज से-; विरह का जलजात जीवन; क्या पूजन क्या अर्चन रे?; मैं नीर भरी दु:ख की बदली; चिर सजग आँखे उनींदी; पंथ रहने दो अपरिचित; यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो।

प्रस्तावित पाठ्य– ग्रंथ-

1. यशोधरा : मैथिलीशरण गुप्त
2. भारतेन्दु समग्र : सं. नागरी प्रचारिणी सभा
3. लहर : जयशंकर प्रसाद
4. परिमल : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
5. नये पत्ते : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
6. राग विराग-: संरामविलास शर्मा .
7. आधुनिक कवि पंत : हिंदी साहित्य सम्मेलन; इलाहाबाद

8. महादेवी प्रतिनिधि कविताएँ : राजपाल एण्ड सन्स
9. मानसी (रामनरेश त्रिपाठी काव्य संग्रह) : सं. श्री गोपाल नेवटिया ,हिन्दी मंदिर ,प्रयाग

5. छायावादोत्तर हिंदी कविता

- **केदारनाथ अग्रवाल**
  जो जीवन की धूल चाटकर बड़ा हुआ है, हमारी जिंदगी, पहला पानी, मजदूर के जन्म पर, ओस की बूंद कहती है, मात देना नहीं जानती।
- **नागार्जुन**
  बादल को घिरते देखा है; प्रतिबद्ध हूँ; अकाल और उसके बाद; घिन तो नहीं आती; बहुत दिनों के बाद; शासन की बंदूक; कालिदास सच-सच बतलाना , तुम किशोर तुम तरुण; मनुष्य हूँ।
- **रामधारी सिंह 'दिनकर'**
  रश्मिरथी (तृतीय सर्ग)
- **माखनलाल चतुर्वेदी**
  कैदी और कोकिला;पुष्प की अभिलाषा; बदरिया थम-थमकर झर री! ;
- **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'**
  यह दीप अकेला; मैं वहाँ हूँ; कलगी बाजरे की; कतकी पूनो; एक बूँद सहसा उछली; हरी घास पर क्षण भर; कितनी नावों में कितनी बार।
- **भवानीप्रसाद मिश्र**
  गीत फ़रोश , सतपुड़ा के जंगल, कला-1, कला-2, बुनी हुई रस्सी, कठपुतली ।
- **रघुवीर सहाय**
  हँसो हँसो जल्दी हँसो, रामदास, पढ़िये गीता , दुनिया,राष्ट्रगीत, तोड़ो
- **सर्वेश्वर दयाल सक्सेना**
  प्रार्थना1-; काठ की घंटियाँ; भूख; पाठशाला खुला दो महाराज, लीक पर वे चलें, आत्मसाक्षात्कार-; व्यंग्य मत बोलो।
- **गिरिजा कुमार माथुर**
  इतिहास की कालहीन कसौटी,पंद्रह अगस्त,दो पाटों की दुनिया,आदमी का अनुपात, छाया मत छूना, नया बनने का दर्द

प्रस्तावित पाठ्य– ग्रंथ-

1. रश्मिरथी : रामधारी सिंह दिनकर
2. अज्ञेय प्रतिनिधि कविताएँ : राजकमल प्रकाशन
3. नागार्जुन प्रतिनिधि कविताएँ : राजकमल प्रकाशन
4. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना प्रतिनिधि कविताएँ : राजकमल प्रकाशन
5. भवानी प्रसाद मिश्र : प्रतिनिधि रचनाएँ - राजकमल प्रकाशन

6. रघुवीर सहाय : प्रतिनिधि रचनाएँ - राजकमल प्रकाशन
7. केदारनाथ अग्रवाल : प्रतिनिधि रचनाएँ - राजकमल प्रकाशन
8.

6. भारतीय काव्यशास्त्र

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।
- रस सिद्धान्त – रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण।
- अलंकार सिद्धान्त – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय।
- रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।
- वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- औचित्य सिद्धान्त – औचित्य की अवधारणा।
- हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय।

7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो – काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- अरस्तू – अनुकृति एवं विरेचन।
- लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा।
- वड्र्सवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धान्त।
- कॉलरिज – कल्पना और फैन्टेसी।
- क्रोचे – अभिव्यंजनावाद।
- टी.एस. एलियट – परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त।
- आई.ए. रिचडर्स – मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त।
- नई समीक्षा।
- मार्क्सवादी समीक्षा।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद।

8. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

- भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।
- भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।
- स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण – स्थान और प्रयत्न के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।

- रूपिम विज्ञान – शब्द और रूप (पद), पद विभाग – नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।
- वाक्य विज्ञान – वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
- अर्थ विज्ञान – शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
- अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
- राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।

9. हिंदी उपन्यास

- गबन – प्रेमचंद
- त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार
- मृगनयनी – वृंदावन लाल वर्मा
- मानस का हंस – अमृतलाल नागर
- महाभोज – मन्नू भंडारी

10. हिंदी कहानी

- उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- पूस की रात : प्रेमचंद
- आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
- हार की जीत : सुदर्शन
- पाजेब : जैनेन्द्र कुमार
- तीसरी कसम : फणीश्वरनाथ 'रेणु'
- मिस पाल : मोहन राकेश
- परिन्दे : निर्मल वर्मा
- दोपहर का भोजन : अमरकांत
- सिक्का बदल गया : कृष्णा सोबती
- पिता : ज्ञानरंजन

11. हिंदी नाटक एवं एकांकी

नाटक

- अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चन्द्र
- स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद
- आषाढ़ का एक दिन ': मोहन राकेश
- माधवी : भीष्म साहनी

एकांकी

- औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा
- विषकन्या : गोविन्द बल्लभ पंत
- और वह जा न सकी : विष्णु प्रभाकर
- भोर का तारा : जगदीशचंद्र माथुर

12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

- सरदार पूर्ण सिंह– मजदूरी और प्रेम
- रामचन्द्र शुक्ल – करुणा
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – देवदारु
- विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- शिवपूजन सहाय – महाकवि जयशंकर प्रसाद
- रामवृक्ष बेनीपुरी – रजिया
- डॉ. नगेन्द्र – दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- माखनलाल चतुर्वेदी – तुम्हारी स्मृति
- विष्णुकांत शास्त्री – ये हैं प्रोफेसर शशांक

13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

- साहित्यिक पत्रकारिताः अर्थ, अवधारणा और महत्त्व।
- भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- प्रेमचंद और छायावादयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।
- महत्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएँ :बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिन्दोस्थान, आज, स्वेदश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।

14. प्रयोजनमूलक हिंदी

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी,
- बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।
- हिन्दी की शैलियाँ : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
- हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास।
- हिन्दी का मानकीकरण।
- हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता–प्रकार और शैली।

- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण,
- वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण,
- संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख
- लक्षण।
- भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा–लेखन, सरकारी अथवा
- व्यावसायिक पत्र–लेखन।
- हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।

.....

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA

REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)

Modern Indian Language (MIL)

50 अंक

निबंध :

अशोक के फूल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, घीसा - महादेवी वर्मा, पर्यावरण संरक्षण - शुकदेव प्रसाद

कविताएँ:

(i) पेशोला की प्रतिध्वनि - जयशंकर प्रसाद

(ii) पैतृक संपत्ति (जब बाप मरा...) - केदारनाथ अग्रवाल

(iii) उनको प्रणाम - नागार्जुन

(iv) हो गई है पीर पर्वत सी - दुष्यंत कुमार

(v) धार्मिक दंगों की राजनीति - शमशेर बहादुर सिंह

कहानियाँ

1. मंत्र - प्रेमचंद
2. भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई
3. त्रिशंकु - मन्नू भंडारी

पारिभाषिक शब्दावली-100 **शब्द**

1. **Accountability**	जवाबदेही
2. **Ad-hoc**	तदर्थ
3. **Adjournment**	स्थगन
4. **Adjustment**	समायोजन
5. **Agenda**	कार्यसूची
6. **Agreement**	अनुबंध
7. **Allotment**	आवंटन
8. **Allowance**	भत्ता

9. Allowance	अनुमोदन
10. Authority	प्राधिकरण
11. Autonomous	स्वायत्त
12. Bonafide	वास्तविक
13. Bye-law	उप-विधि
14. Charge	प्रभार
15. Circular	परिपत्र
16. Compension	क्षतिपूर्ति
17. Confirmation	पुष्टि
18. Consent	सहमति
19. Contract	संविदा
20. Discretion	विवेक
21. Enclosure	अनुलग्नक
22. Ex-Office	पदेन
23. Honorarium	मानदेय
24. Infrastructure	आधारभूत, संरचना
25. Memorandum	ज्ञापन
26. Modus operandi	कार्य-प्रणाली
27. Notification	अधिसूचना
28. Officiating	स्थानापन्न
29. Postponement	स्थगन
30. Proceedings	कार्यवाही
31. Record	अभिलेख
32. Retirement	सेवानिवृत्ति
33. Stagnation	गतिरोध
34. Verification	सत्यापन

व्यावसायिक, वाणिज्यिक एवं संचार-माध्यम संबंधी शब्दावली

35. Account	लेखा/खाता

36. Accountant	लेखपाल
37. Adjustment	समायोजन
38. At-par	सममूल्य पर
39. Audio-Visual display	दृश्य-श्रव्य प्रदर्श
40. Audit	लेखा-परीक्षा
41. Audition	स्वर/ध्वनि परीक्षण
42. Auditorium	प्रेक्षागृह
43. Authentic	प्रामाणिक
44. Back dated	पूर्व-दिनांकित
45. Bail	जमानत
46. Bank-Guaranty	बैंक प्रत्याभूति
47. Bearer	वाहक
48. Cash Balance	रोकड़ बाकी
49. Clearing	समाशोधन
50. Commission	दलाली
51. Confiscation	अधिहरण
52. Convertible	परिवर्तनीय
53. Currency	मुद्रा
54. Current	चालू खाता
55. Divident	लाभांश
56. Documentation	प्रलेखन
57. Endorsement	बंदोबस्ती
58. Exchange	विनिमय
59. Finance	वित्त
60. Fixed Deposit	सावधि जमा
61. Forfeiture	जब्ती
62. Guaranty	प्रत्याभूति
63. Indemnity Bond	क्षतिपूर्ति बंध
64. Insolvency	दिवाला
65. Investment	निवेश

66. Lease	पट्टा
67. Long term credit	दीर्घावधि उधार
68. Lumpsum	एकमुश्त
69. Mobilisation	संग्रहण
70. Moratorium	भुगतान-स्थगन
71. Mortgage	गिरवी
72. Output	उत्पादन
73. Outstanding	बकाया
74. Payable	देय
75. Payment	भुगतान
76. Progressive-note	रुक्का/हुण्डी
77. Realization	वसूली
78. Recommendation	संस्तुति
79. Rectifiation	परिशोधन
80. Recurring	आवर्ती
81. Redeemable	प्रतिदेय
82. Renewal	नवीकरण
83. Revenue	राजस्व
84. Sensex	शेयर सूचकांक
85. Security	प्रतिभूति
86. Short-term credit	अल्पावधि उधार
87. Squeeze	अधिसंकुचन
88. Sur-charge	अधिभार
89. Suspense Account	उचंत लेखा
90. Trade Mark	मार्का
91. Transaction	लेनदेन
92. Transfer	अंतरण
93. Turn over	पण्यावर्त
94. Undervaluation	अल्पमूल्यांकन
95. Validity	वैधता

96. Vault	तहखाना
97. Warranty	आश्वस्ति
98. Withdrawal	आहरण
99. Working Capital	कार्यशील पूंजी
100. Winding up	समेटना

- प्रमुख साहित्यकारों की तस्वीर लेखकों की तस्वीर और उनका संक्षिप्त परिचय

अंक विभाजन :-

सभी प्रश्न बहुविकल्पीय रहेंगे । (25 **x 2 =** 50)

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA

B.A.(HONOURS) HINDI

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

अंक विभाजन (सभी प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar / Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

कुल योग- 100 अंक

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहत प्रश्न	2 x 15 अंक = 30
व्यावहारिक प्रश्न	2 x 10 अंक = 20
टिप्पणी	3 x 5 अंक = 15

कुल योग =65

(छात्र किन्ही दो पत्रों को चुने)

1. विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग
2. साहित्य और हिंदी सिनेमा
3. अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि
4. दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

1. विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग

- विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार,
- विचारधाराएँ, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ। विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धान्त।
- विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान–योजना और कार्यान्वयन : स्थिति सम्बन्धी विश्लेषण, रणनीति, ब्रैंड इमेज।
- उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की
- भूमिका।
- विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबन्ध। हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेन्सियों का परिचय। विज्ञापन : कानून और आचार संहिता।
- विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धान्त और अभिविन्यास (ले आउट)।
- विज्ञापन भाषा की विशिष्टताएँ। हिन्दी विज्ञापनों की भाषा का संरचनात्मक अध्ययन और शैली वैज्ञानिक विश्लेषण।

2.साहित्य और हिन्दी सिनेमा

- सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा,
- मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।
- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।
- हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति

और हिन्दी सिनेमा।

- साहित्य और सिनेमा : अंतस्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक।
- फिल्म समीक्षा :
- आरंभ से 1947 : राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास
- 1947 से 1970 : मदर इंडिया, दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर
- 1970 से 1990 : गर्म हवा, बॉबी, शोले, आँधी।
- 1990 से अद्यतन : तारे ज़मीं पर, थ्री इडियट्स, दिलवाले दुलहनिया ले जाएँगे, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस., पान सिंह तोमर, मैरी कॉम।

3. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि

- अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व।
- बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
- अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद।
- अनुवाद–प्रक्रिया के तीन चरण – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष – पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)
- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।
  क. 'गीतांजलि' का हिन्दी अनुवाद – हंस कुमार तिवारी
  ख. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी में किया गया भावानुवाद
- 'विश्वप्रपंच की भूमिका'।
- कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर)/ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/कार्यालय आदेश / अधिसूचना/संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा–संविदा/ विज्ञापन।
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।

4. दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

- माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में भाषा–प्रयोग : लेखन, सम्पादन और प्रसारण का संदर्भ। रेडियो, टेलीविज़न, सिनेमा एवं वीडियो का व्याकरण एवं भाषिक वैशिष्ट्य।
- भाषा–प्रयोग : परिचय, संगीत, संलाप एवं एकालाप, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कथन, सहप्रयोग। श्रव्य–माध्यम और भाषा की प्रकृति, तान–अनुतान की समस्या, ध्वनि प्रभाव और निःशब्दता, मानक उच्चारण, समाचार पठन, भाषा का वैयक्तिकरण।

- दृश्य–श्रव्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, आंगिक और वाचिक अभिव्यक्ति, दृश्य भाषा, दृश्य और श्रव्य सामग्री का सामंजस्य तथा भाषिक संयोजन, सिनेमाई भाषा और संवाद की अदायगी।
- रेडियो–लेखन : रेडियो पत्रिका, फीचर, वार्ता, साक्षात्कार और परिचर्चा, समाचार लेखन, रेडियो नाटक और रूपक के लिए संवाद लेखन, रेडियो विज्ञापन। एफ.एमबैण्ड पर प्रसारणार्थ शैक्षिक–सामग्री का सृजन।
- टेलीविजन–लेखन : समाचार, धारावाहिक, चर्चा–परिचर्चा, साक्षात्कार और सीधे प्रसारण की भाषिक संरचना और प्रस्तुति।
- सिनेमा : 'सुजाता', 'शतरंज के खिलाड़ी' जैसी फिल्मों के बहाने हिन्दी सिनेमा की संवेदना और भाषा पर विचार। फिल्म–समीक्षा लेखन।